

पाठ्यक्रम सम्बंधित मुख्य प्रश्नोत्तर

| | प्रश्न | उत्तर |
|----|--|--|
| 1 | जैन धर्म का सबसे बड़ा पर्व कौन सा है। | संवत्सरी महापर्व (भादवाशुदी पंचमी) |
| 2 | कर्म के 8 प्रकार क्या हैं? | ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, वेदनीय, मोहनीय, आयु, नाम, गोत्र, अन्तराय |
| 3 | कर्मों का आत्मा से पूर्णरूप से अलग हो जाना क्या है। | मोक्ष |
| 4 | हिंसा कितने प्रकार की है। | 2 (अर्थ हिंसा, अनर्थ हिंसा) |
| 5 | अपने नहाने के लिए संचित जल का प्रयोग करना कौन सी हिंसा है। | अर्थ हिंसा |
| 6 | पार्क में घास पर चलना, गाय, कुत्ते आदि को डंडे मारना कौन सी हिंसा है। | अनर्थ हिंसा |
| 7 | किसी को अपशब्द बोलना, झुठी सलाह देना कौन सी हिंसा है। | अनर्थ हिंसा |
| 8 | कोई आप पर/या आपकी पत्नी पर आक्रमण करे, आप अपने आप को बचाने के लिए हिंसा करते हो, तब कौन सी हिंसा है। | अर्थ हिंसा |
| 9 | एक सैनिक देश की रक्षा के लिए दुश्मन को मारता है। यह कौन सी हिंसा है। | अर्थ हिंसा |
| 10 | एक शिकारी अपने मजे के लिए किसी जानवर को मारता है। यह कौन सी हिंसा है। | अनर्थ हिंसा |
| 11 | जैन परम्परा में काल के कितने भेद हैं। | दो |
| 12 | इस समय कौन सा काल चल रहा है। | अवसर्पिणी |
| 13 | अवसर्पिणी काल के प्रथम तीर्थंकर कौन थे। | भगवान ऋषभदेव |
| 14 | भ. ऋषभदेव से सम्बन्धित कौन सा त्यौहार मनाया जाता है। | अक्षय तृतीया |
| 15 | महावीर जयन्ती कब मनायी जाती है। | चैत्र शुक्ला त्रयोदशी को |
| 16 | पर्यूषण पर्व कब शुरू होते हैं। | भाद्रपद कृष्णा 13 से |
| 17 | संवत्सरी कब आती है। | भाद्रपद शुक्ला पंचमी को |
| 18 | इस अवसर्पिणी काल के अन्तिम केवली कौन थे। | आर्य जम्बू जी |

पाठ्यक्रम सम्बंधित मुख्य प्रश्नोत्तर

| | प्रश्न | उत्तर |
|----|--|---------------------------------|
| 19 | इस अवसर्पिणी काल में अन्तिम श्रुत केवली कौन थे। | आर्य भद्रबाहु जी |
| 20 | वीरलोकाशाह ने विशुद्ध जैन धर्म का प्रचार कब किया। | वीर सं: 2001 (वि. सी. 1531) में |
| 21 | पूज्य जीवराज जी म. का जन्म कब हुआ। | सं. 1638 सुरत में |
| 22 | पूज्य आचार्य धर्म सिंह जी म. का जन्म कब हुआ। | स. 1687 जामनगर में |
| 23 | आचार्य श्री धर्मदास जी म. का जन्म कब हुआ। | सं. 1701 अहमदाबाद के पास |
| 24 | पूज्य श्री लवजी ऋषि जी भ. महावीर के कौन से पाट पर बैठे। | 76वें पाट पर |
| 25 | आचार्य लवजी ऋषि जी म. के पौत्र शिष्य कौन थे। | श्री हरिदास ऋषि जी |
| 26 | श्री सुदर्शन लालजी म. किस परम्परा से हैं। | आचार्य लव जी ऋषि परम्परा से |
| 27 | रात्रि चौविहार में क्या रात्रि में हम कुछ पी या खा सकते हैं। | नहीं |
| 28 | नवकारसी में सुबह सूर्योदय निकलने के 48 मिनट पहले क्या हम कुछ खा पी सकते हैं। | नहीं |
| 29 | एकाशना करने में दिन में कितनी बार खा सकते हैं। | 1 बार |
| 30 | पौषध में क्या सामयिक के कपड़े पहनना आवश्यक है। | हां |
| 31 | पूज्य गुरुदेव श्री बदरी प्रसाद जी म. ने कितने दिन का संथारा किया। | 72 दिन का |
| 32 | तप के कितने भेद हैं। | 12 |
| 33 | बाह्य तप के कितने भेद हैं | 6 |
| 34 | श्रावक के कितने व्रत हैं। | 12 |
| 35 | अणुव्रत कितने होते हैं। | 5 |
| 36 | गुणव्रत कितने होते हैं। | 3 |
| 37 | शिक्षाव्रत कितने होते हैं। | 4 |
| 38 | कर्मों की 2 प्रकार कौन सी हैं। | घाती और अघाती |



पाठ्यक्रम सम्बंधित मुख्य प्रश्नोत्तर

| | प्रश्न | उत्तर |
|----|--|-----------------|
| 39 | घाती कर्म कितने हैं। | 4 |
| 40 | हमको किस कर्म के कारण ज्ञान नहीं होता है। | ज्ञानावरणीय |
| 41 | हमको किस कर्म के कारण धर्म पर श्रद्धा नहीं होती है। | दर्शनावरणीय |
| 42 | हमें नींद किस कर्म के कारण आती है। | दर्शनावरणीय |
| 43 | हमें सुख दुख किस कर्म के कारण अनुभव होता है। | वेदनीय |
| 44 | सारे कर्मों का सेनापती कौन है। | मोहनीय |
| 45 | हमारी आत्मा एक शरीर में किस कर्म के कारण टिकी रहती है। | आयुष्य कर्म |
| 46 | हमारे शरीर की बनावट किस कर्म पर निर्भर करती है। | नाम कर्म |
| 47 | अच्छे/बुरे कुल में जन्म किस कर्म की वजह से होता है। | गोत्र कर्म |
| 48 | आत्मा की मूल शक्ति को कौन रोकता है। | अंतराय कर्म |
| 49 | मनुष्यों को कौनसा शरीर होता है। | औदारिक |
| 50 | नारकी/देवताओं को कौनसा शरीर होता है। | वैक्रिय |
| 51 | क्या तेजस और कार्मण शरीर सभी अमुक्त जीवों को होता है। | हां |
| 52 | प्राण कितने प्रकार होते हैं। | 10 |
| 53 | लेश्या किसे कहते हैं। | जीव के भावों को |
| 54 | लेश्या कितने प्रकार की होती हैं। | 6 |

Glossary

| | | |
|----|------------------|------------------------|
| 1 | अचित्त | Non-Living |
| 2 | अचौर्य | Non-Stealing |
| 3 | अचौर्य महाव्रत | Non-Stealing Vow |
| 4 | अजीव | Non-Living Matter |
| 5 | अणुव्रत | Limited Vow |
| 6 | अधोलोक | Lower Part of Universe |
| 7 | अन्तराय | Obstructing |
| 8 | अनेकान्तवाद | Many Sidedness |
| 9 | अपकाय | Water Beings |
| 10 | अपरिग्रह | Non-Possession |
| 11 | अपरिग्रह महाव्रत | Non-Possession Vow |
| 12 | अल्पसंख्यक | Minority |
| 13 | अवधिज्ञान | Limited Knowledge |
| 14 | अहिंसा | Non-Violence |
| 15 | अहिंसा महाव्रत | Non-Violence Vow |
| 16 | आत्मा | Soul |
| 17 | आस्तिक | Theist |
| 18 | आश्रव | Influx of Karmas |
| 19 | इन्द्रियां | Senses |
| 20 | ईष्ट | Desired |
| 21 | ऊर्ध्वलोक | Upper Part of Universe |
| 22 | कषाय | Passions |
| 23 | केवल दर्शन | Complete Vision |
| 24 | केवल ज्ञान | Complete Knowledge |
| 25 | क्रोध | Anger |

| | | |
|----|--------------------|-------------------------|
| 26 | घनघाती | Destructive |
| 27 | घ्राण इन्द्रिय | Nose Sense |
| 28 | चक्षु इन्द्रिय | Eye Sense |
| 29 | चेतना | Soul |
| 30 | जिन | Conqueror |
| 31 | जीव | Living Beings, Soul |
| 32 | तत्व | Fundamentals |
| 33 | तिर्यच | Animal Beings |
| 34 | तेजकाय | Fire Beings |
| 35 | दर्शनावरणीय | Perception Obscuring |
| 36 | द्वेष | Hate |
| 37 | नारकी | Infernal Beings |
| 38 | नास्तिक | Atheistic |
| 39 | निर्जरा | Eradication of Karmas |
| 40 | पुण्य | Results of Good deed |
| 41 | पृथ्वीकाय | Earth Beings |
| 42 | बन्ध | Bondage of Karmas |
| 43 | ब्रह्मचर्य | Celibacy |
| 44 | ब्रह्मचर्य महाव्रत | Chaste Vow |
| 45 | मध्यलोक | Middle Part of Universe |
| 46 | मान | Pride |
| 47 | माया | Deceit |
| 48 | मुक्तजीव | Liberated Beings |
| 49 | मोहनीय | Deluding |
| 50 | मोक्ष | Liberation |
| 51 | रसना इन्द्रिय | Tounge Sense |



| | | |
|----|--------------|-----------------------|
| 52 | राग | Attachment |
| 53 | लोभ | Greed |
| 54 | वनस्पतिकाय | Plant Beings |
| 55 | वायुकाय | Air Beings |
| 56 | वीतराग | Omnipresent |
| 57 | सचित | Living |
| 58 | सत्य | Truthness |
| 59 | सत्य महाव्रत | Truthness Vow |
| 60 | संवर | Stoppage of Karmas |
| 61 | संसारि | Worldly |

| | | |
|----|--------------------|------------------------|
| 62 | सम्यक चारित्र | Right Character |
| 63 | सम्यक दर्शन | Right Vision |
| 64 | सम्यक ज्ञान | Right Knowledge |
| 65 | सर्वज्ञ, सर्वदर्शी | Omnipresent |
| 66 | सिद्धांत | Principle |
| 67 | स्पर्शन इन्द्रिय | Skin Sense |
| 68 | क्षय | Destroy |
| 69 | त्रसकाय | Moving Beings |
| 70 | ज्ञानावरणीय | Knowledge Obscuring |
| 71 | श्रोत्र इन्द्रिय | Ear Sense |